हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 76 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 08 सितंबर, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

देहरादून के रेशमी वस्त्रों के विस्तारित रिटेल आउटलेट का शुभारम्भ 4

वर्तमान युग टेक्नोलॉजी का युग है : मुख्यमंत्री

प्रदेश के कामन सर्विस सेंटरों से गुड़ उद्यमियों से किया संवाद

मो0 सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- ग्रामीण स्तर पर दी जा रही सेवाओं की ली जानकारी
- विचार श्रृंखला में प्राप्त सुझावों पर दिया जायेगा ध्यान

- गप्रदेश में 4 जी एव 5 जी सेवा के 1200 से अधिक टावर स्वीकृत करने के लिये प्रधानमंत्री का जताया आभार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बोधिसत्व विचार श्रृंखला उत्तराखण्ड की डिजिटल उड़ान कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कामन सर्विस सेंटरों से जुड़े उद्यमियों से संवाद कर उनके विचार भी सुने। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में उनके स्तर पर दी जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर क्षेत्र की समस्याओं का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवाद कार्यक्रम में प्राप्त सुझावों पर ध्यान दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 4 जी एवं 5 जी के 1200 से अधिक टावर स्थापित किये जा रहे हैं। इसके लिये उन्होंने प्रधानमंत्री का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत नेट फेज 2 में प्रदेश के हजारों गांवों को जोड़ा जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान युग टेक्नोलॉजी का युग है और देश व दुनिया में इस नयी टेक्नोलॉजी से बदलाव आया है। जीवन का कोई भी क्षेत्र हो शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्यमिता, मनोरंजन और गवर्नेंस - सब तरफ टेक्नोलॉजी का प्रभाव है। आज दुनिया के मध्य दूरियों का कोई विशेष महत्व नहीं रह गया है क्योंकि वर्चुअल- डिजिटल माध्यम दुनिया में एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरा है जिसने गांव देहात को इस इंटरनेट की दुनिया में विकास के नये मानक और उंचे पायदानों पर स्थापित करने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की अदभुत मोदी-फाईड (MODI-FIED) कार्य शैली से इस देश को बदलने की रीति और नीति इसी डिजिटल क्रांति से जुड़ी है। उत्तराखण्ड, डिजिटल राज्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है, इसको विकास के ऊंचे पायदानों पर चढ़ने के लिए जिस डिजिटल इंजन की आवश्यकता है, यह यही गांव-गांव तक फैले हुए इस राज्य के कोने-कोने से जुड़े हुए यही कामन सर्विस सेन्टर (जन सेवा केन्द्र) है जिसके हजारों उद्यमी आज नयी परिभाषाएं गढ़ रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय मोबाइल और इन्टरनेट के अदभुत मिश्रण से पैदा हुयी क्रांति का है इस तकनीकि के द्वारा हम तमाम विकास योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुचाने तथा आदर्श उत्तराखण्ड के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 1 जुलाई 2014 को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत की थी। हमारे लिए डिजिटल इंडिया का मतलब है कि देश के हर व्यक्ति को सभी सरकारी वगैर सरकारी सेवाएं आसानी से उपलब्ध करायी जा सके। दुनिया का 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुकूल औद्योगिक नीति और उदार कर लाभों से उत्पन्न पूंजी निवेश में भारी वृद्धि के कारण उत्तराखंड अब भारत में सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक के रूप में उभर रहा है। इसने राज्य में निवेश करने और पहाड़ी राज्य के निरंतर विकास का हिस्सा बनने के लिए उद्योगों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। राज्य के यह समावेशी विकास का लक्ष्य आईटी क्षेत्र के बिना हासिल नहीं किया जा सकता। डिजिटल उत्तराखंड का उद्देश्य राज्य में रोजगार सृजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक विकास में नए आयाम हासिल करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देशवासियों को उनके घर के आसपास सभी सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हमारी सरकार ने सीएससी स्कीम को प्रोत्साहन दिया और आज उत्तराखंड में करीब 11474 सीएससी हैं। इन सीएससी को ग्रामीण इलाके में उद्यमी चलाते हैं जिसमें बड़ी संख्या में महिला उद्यमी भी शामिल हैं जो हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। ये सब उद्यमी नई डिजिटल टेक्नॉलोजी के बारे में लोगों को अवगत कराते हैं. डिजिटल सेवाएं लेने में मदद करते हैं और ग्रामीण इलाके में युवाओं को स्किल ट्रेनिंग लेने में सहायता करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल पोर्टल 'अपनी सरकार' के जरिए राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित सभी सेवाओं को ऑनलाइन लाया जा रहा है जिससे सरकारी कार्यों में पारदर्शिता आ रही है, यह न केवल सरकारी सेवाएं ऑनलाइन प्रदान करेगा बल्कि नए 'अपनी सरकार पोर्टल पर ई- जिला पोर्टल के तहत सभी सेवाएं भी दी जा रहीं हैं।हमारी सरकार का प्रयास ये है कि हम हर व्यक्ति को सक्षम बनाएं ताकि वो नई डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग अपने जीवन को सरल और जीविका को सुधारने में कर सके। इसी संदर्भ में हमने पीएमजी दिशा प्रोग्राम की शुरुआत की। हमारा उद्देश्य है कि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले हर परिवार के एक सदस्य को डिजिटल लिट्रेसी की ट्रेनिंग दें जिससे वह डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे मोबाइल, इंटरनेट, कम्प्यूटर आदि का उपयोग करना सीख सके।

उन्होंने ने विश्वास व्यक्त किया कि सीएससी के माध्यम से अधिक से अधिक गांव, देहात व नगरों में युवक-युवतियां जुड़ेंगी तथा सक्षम होकर आदर्श और आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न उत्तराखण्ड के निर्माण में सहयोगी बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश में हताशा व निराशा का वातावरण था। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश व दुनिया में भारत का मान व सम्मान बढ़ा है। हर क्षेत्र में नेतृत्व करने वाला भारत बना है। प्रधानमंत्री ने 21 वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बताया है। हम इस दिशा में रोड मैप बना कर कार्य कर रहे हैं। राज्य के विकास में जन भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीति आयोग से हिमालयी राज्यों के लिये अलग से विकास का मॉडल तैयार करने की अपेक्षा की गई है। इस अवसर पर कामन सर्विस सेंटर के सीईओ संजय राकेश ने कहा कि देश में 15 साल पहले यह यात्रा शुरू हुई थी। सरकार की सुविधाओं का लाभ लोगों को उनके घरों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य है। पूरे देश में 5.50 लाख सेंटर हैं जो गांवों में भी सेवा उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाखों लोग हमसे जुड़ हैं। उन्होंने कहा कि रूरल बीपीओ के साथ शहरी क्षेत्रों में कॉल सेंटर बनाये जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि सीएससी की सेवाओं को वन स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में पहचान बन रही है। ई ग्राम स्वराज की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रदेश भर के जिल सीएससी संचालाकों द्वारा आनलाइन व आफ लाइन अपने विचार व सुझाव रखे उनमें नेहा भट्ट रानीखेत, पंकज गैडी गैरसैंण, विनीत अग्रवाल देहरादून, विशाल चन्द्र चम्पावत, यशवीर सिंह चकराता, राजीव कुमार हरिद्वार, मुस्तकीम हसन सहसपुर, स्मृति मोगरा लक्सर, दिवाकर भट्ट भटवाड़ी, आशीष रावत रूद्रप्रयाग, हरि सिंह धामी धारचूला, देवेन्द्र सिंह कोरंगा मुन्स्यारी, दीपक चौहान डोईवाला, राजू कश्यप आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम का संचालन महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत ने किया। विधायक प्रदीप बत्रा एवं निदेशक आईटीडीए अमित सिन्हा सहित बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में अपस्थित रहे।

त्रिवेंद्र सिंह रावत ने दिल्ली में जेपी नड्डा से की मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अचानक पूर्व सीएम त्रिवेंद्र जब दिल्ली पहुंचे तो देहरादून में बयानों का बाजार गर्म हो गया। तरह तरह के कयास लगाए जाने लगे और सबका निचोड़ ये रहा कि यूकेएसएसएससी मामले में उनका बयान और स्टैंड ... पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की. बताया तो यही जा रहा है कि ये महज एक रूटीन भेंट थी जिसमें प्रदेश के समसामयिक और ज्वलंत विषयों पर चर्चा हुई.

जेपी नड्डा से मिलने के बाद त्रिवेंद्र सिंह रावत बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे. जहां उन्होंने पार्टी और संगठन के दूसरे नेताओं से मुलाकात की. त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उत्तराखंड से राज्य सभा सांसद अनिल बलूनी से भी मुलाकात की. इस दौरान दोनों के बीच डेढ़ घंटे से ज्यादा बातचीत हुई.इसके साथ साथ आपको बता दें कि नियुक्तियों में धांधली और भाई भतीजावाद पर पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत लगातार बयान दे रहे हैं. अपने इन बयानों से उन्होंने अपनी ही पार्टी को भी कटघरे में खड़ा किया है। सभी को इंतज़ार है कि अचानक इस मुलाक़ात और दिल्ली दौरे की असली कहानी क्या है।

10 अक्टूबर को विधि विधान के साथ बंद हो जाएंगे हेमकुंड साहिब के कपाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हेमकुंड साहिब के कपाट 10 अक्टूबर को विधि विधान के साथ सर्दी के मौसम के लिए बंद कर दिए जाएंगे। हेमकुंड साहिब की यात्रा इसी साल 22 मई 2022 से शुरू हुई थी।

यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक करीब दो लाख पंद्रह हजार श्रद्धालु गुरुद्वारा साहिब के दरबार में श्रद्धासुमन अर्पित कर चुके हैं.वहीं फूलों की घाटी में आने वाले यात्रियों ने भी हेमकुंड साहिब में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इसके अलावा सभी धामों में पहुंचे श्रद्धालुओं ने सुखपूर्वक अपनी यात्रा पूरी की. इस बार राज्य में उम्मीद से ज्यादा यात्री पहुंचे हैं.

अभी यात्रा 10 अक्टूबर तक चलेगी, इसलिए यात्री दर्शन के लिए आ सकते हैं।यात्रियों की संख्या को देखते हुए ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि इस साल उम्मीद से ज्यादा श्रद्धालु हेमकुंड साहिब पहुंचे हैं. यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रस्ट पर पूरा ध्यान दिया गया। कहा कि यात्रा 10 अक्टूबर तक चलेगी, जिससे यात्री दर्शन के लिए आ सकते हैं।

उत्तराखंड में डेंगू के मामले में बढ़ोतरी

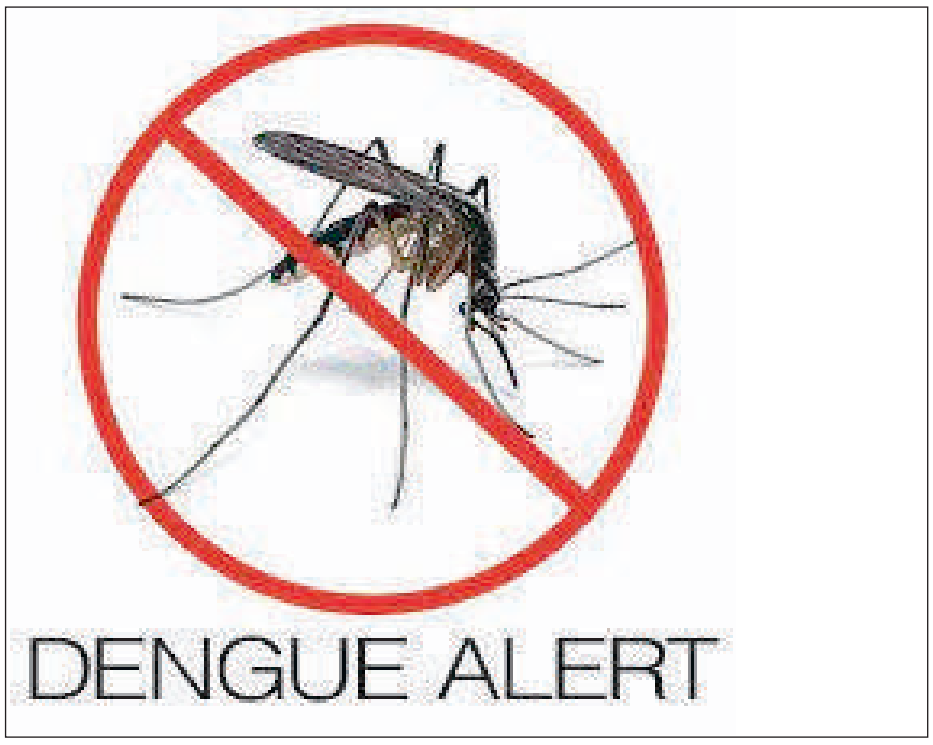

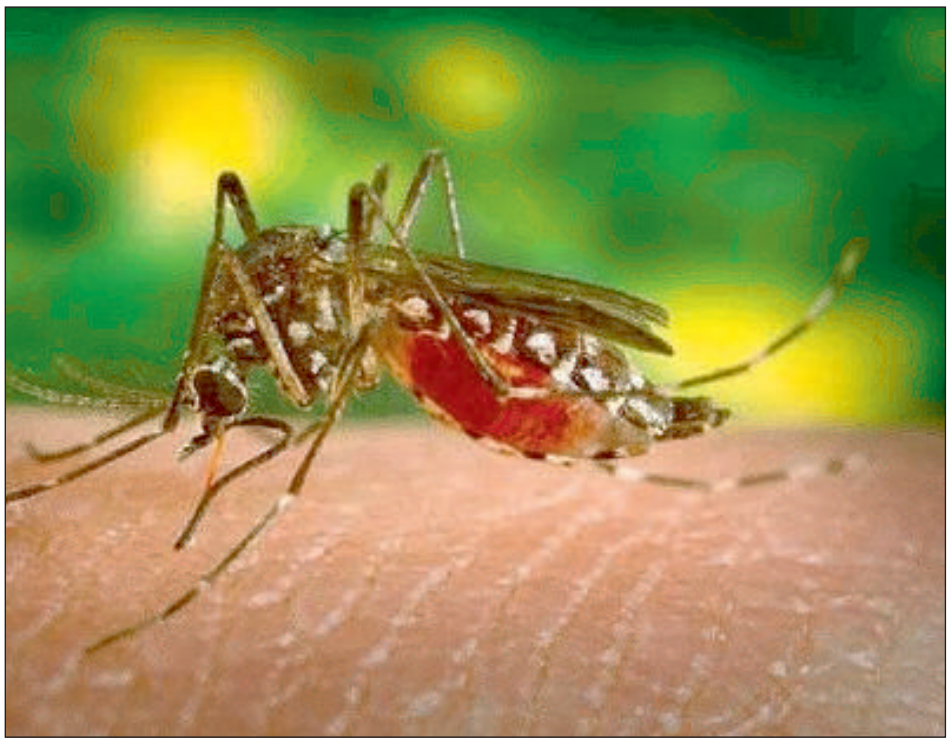

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में कोरोना के बाद डेंगू का कहर जारी है. चिंता की बात यह है कि देहरादून, रुड़की शहरों में डेंगू के मामले बढ़ते जा रहे हैं। देहरादून में एक दिन में डेंगू के 12 मरीज मिले हैं। मामलों में सबसे अधिक वृद्धि पौड़ी जिले (एक सप्ताह में 7 से 19 मामले) से हुई है, इसके बाद देहरादून (12 से 22 तक) का स्थान है। हरिद्वार जिले, जिसमें पिछले सप्ताह तक कोई मामला नहीं था, में तीन डेंगू संक्रमण दर्ज किए गए हैं।

देहरादून में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। मंगलवार को जिले में एक दिन में 12 मरीज मिले हैं, जो इस सीजन में एक दिन में सबसे ज्यादा मरीज हैं. जिले में अब तक कुल 67 मरीज सामने आ चुके हैं। जिला मलेरिया नियंत्रण अधिकारी सुभाष जोशी ने बताया कि पॉजिटिव मिले मरीजों में तीन महिलाएं और नौ पुरुष हैं.

घरों में मिले डेंगू के लार्वा

क्षेत्र में बुखार से पीड़ित एक महिला की मौत भी हो चुकी है। महिला घर में बुखार से पीड़ित थी। बताया गया कि महिला के ब्लड सैंपल नहीं लिए गए। वहीं स्वास्थ्य विभाग चौथे दिन भी ब्रह्मपुरी-शंकरपुर पहुंचा. टीम ने 79 और लोगों के सैंपल लिए। घरों में भी लार्वा की जांच की गई। कुछ घरों में डेंगू के लार्वा पाए गए और उन्हें नष्ट कर दिया गया।

डेंगू से बचाव के उपाय :

1 घरों में और आसपास पानी जमा न होने दें।

2 फ्रिज, कूलर, बर्तन या डिब्बे नियमित रूप से साफ करें।

3 एडीज मच्छर के लार्वा को नष्ट करने के लिए छोटे जलाशयों पर मिट्टी का तेल या कोई अन्य तेल फैलाएं।

4 मच्छरों को मारने के लिए फॉगिंग के लिए जिला अधिकारियों को सूचित करें।

5 चूंकि एडीज दिन के समय हमला करता है और जमीनी स्तर के पास उड़ता है इसलिए कार्यस्थल पर पूरी बाजू के कपड़े पहनें।

6 किसी को बुखार होने पर तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

जाने क्या है माइग्रेन और उल्टी के बीच संबंध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

माइग्रेन एक सिरदर्द है जो अक्सर सिर के एक तरफ को प्रभावित करता है और यह बेहद दर्दनाक, धड़कते या धड़कने वाला हो सकता है। यह अक्सर प्रकाश और ध्वनि के साथ-साथ मतली और उल्टी के प्रति उच्च संवेदनशीलता के साथ आता है। माइग्रेन के हमले का दर्द इतना तीव्र हो सकता है कि यह आपकी नियमित गतिविधियों में हस्तक्षेप करता है और घंटों या दिनों तक भी बना रह सकता है।माइग्रेन के सिरदर्द और मतली से पीड़ित लोगों के लिए उल्टी से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि इस मामले में ज्यादा जांच नहीं हुई है।

क्या जी मिचलाना माइग्रेन का एक साइड इफेक्ट है?

कुछ माइग्रेन रोगियों के लिए, मतली एनोरेक्सिया के रूप में प्रकट हो सकती है, इस मामले में आपको बस भूख नहीं होती है और खाने से इनकार करते हैं क्योंकि आप बीमार होने से डरते हैं। पसीना अधिक गंभीर मतली का संकेत दे सकता है, और यदि

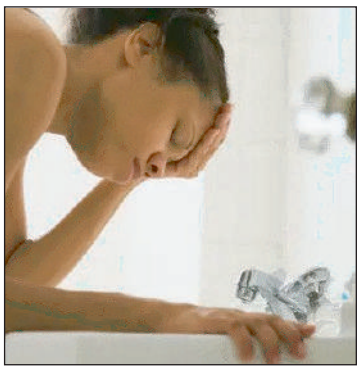

माइग्रेन बंद नहीं होता है, तो व्यक्ति को उल्टी होने की संभावना हो सकती है।

क्या फेंकने से माइग्रेन अटैक से राहत मिलती है?

कुछ माइग्रेन के रोगी, विशेष रूप से जो छोटे हैं, वे जानते हैं कि एक प्रकरण के दौरान फेंकने से हमले बंद हो जाएंगे। हालांकि खेल में अन्य कारक हो सकते हैं, हम जानते हैं कि उल्टी इंट्राक्रैनील दबाव को कम कर देगी। यह सलाह दी जाती है कि निर्जलीकरण को रोकने के लिए उल्टी के बाद आप पानी का सेवन करें।

क्या कुछ खाद्य पदार्थ खाने या भोजन छोड़ने से मतली या माइग्रेन हो सकता है?

जी मिचलाना एक माइग्रेन अटैक का संकेत हो सकता है, जो कुछ खाद्य पदार्थों के कारण भी हो सकता है और कुछ रोगियों की तरह भोजन छोड़ने की सलाह दी जाती है कि वे डेयरी, मसालेदार भोजन या यहां तक कि किसी विशेष व्यंजन (हाँ, अजीब!) से बचें। केवल कुछ ही व्यक्तियों को पहले मतली का अनुभव होगा, और लोगों के लिए ऐसा कुछ करना असामान्य है जो मतली का कारण बनता है जिसके बाद माइग्रेन का दौरा पड़ता है।

सिरदर्द या माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए दिन भर में नियमित रूप से नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना खाने के साथ-साथ कुछ स्नैक्स खाना एक अच्छा विचार है क्योंकि भोजन छोड़ने से माइग्रेन का दौरा पड़ सकता है।

आदमी चिकन विंग्स का ऑर्डर देता है, इसके बदले हड्डियां और एक नोट मिलता है, जाने पूरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खाद्य वितरण सेवाओं ने जीवन को बहुत सुविधाजनक बना दिया है। हालांकि, कभी-कभी हम अजीबोगरीब फूड डिलीवरी की कहानियां सुनते हैं। एक शख्स ने हाल ही में इस तरह की घटना को सोशल मीडिया पर शेयर किया। उसने जो खाना ऑर्डर किया, उसके बदले उसे एक उदास नोट और कुछ हड्डियाँ मिलीं।

डेमियन सैंडर्स ने चिकन विंग्स, कुछ फ्राई और एक पेय का ऑर्डर दिया। तो जब उसका खाना आया, तो वह उत्साहित था। हालांकि, उत्साह का स्तर बहुत जल्द गिर गया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई एक क्लिप में यह शख्स अपने फॉलोअर्स को अपने खाने के पैकेज में मिली चीजों को दिखाता नजर आ रहा है। फ्राइज़ का पैकेट खाली था और चिकन विंग्स के पैकेट में केवल हड्डियाँ ही बची थीं। इसके साथ एक दुखद नोट भी था।

नोट में कहा गया है, ₹मुझे खेद है कि मैंनेचिकन विंग्स खा लिया। मैं टूट गया और भूखा हूं। इसे अपने भुगतान की तरह समझें, मैं रास्ते में इस लंगड़े गधे की नौकरी छोड़ रहा हूं। धन्य हो। आपका डोर डैश

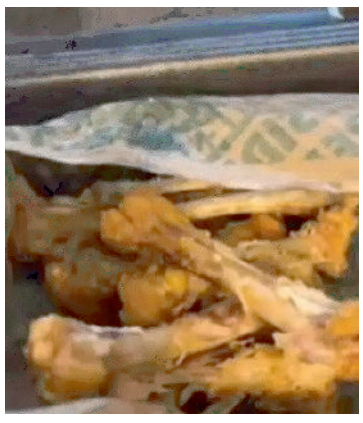

गाइ।पोस्ट करने के बाद से, क्लिप ने बहुत ध्यान आकर्षित किया। इसे इंस्टाग्राम पर 2,000 से ज्यादा बार देखा जा चुका है। यूजर्स ने पोस्ट को कमेंट्स से भी भर दिया। जहां कुछ ने मजाक उड़ाया, वहीं अन्य ने सैंडर्स से डिलीवरी बॉय को माफ करने के लिए कहा। एक ने लिखा ₹यह ठीक है, उसे माफ कर दो,₹। तो एक अन्य ने कहा, ₹यार आपके बात करने का तरीका लिखता है। या तो नकली या आप उसे अपने अहंकार को बदलने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते।

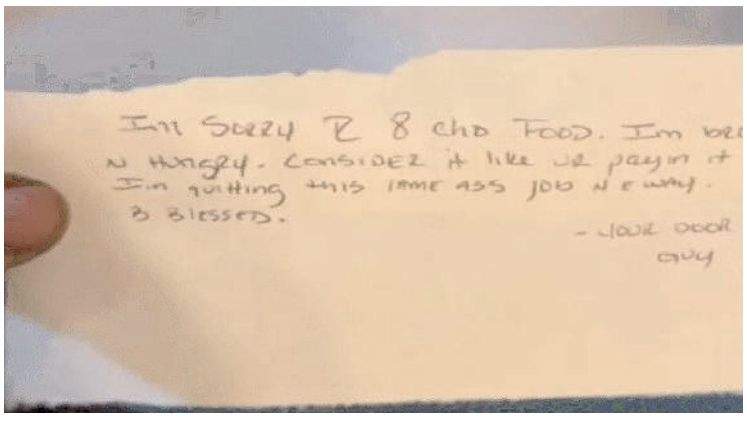

स्वास्थ्य मंत्री ने किया 'जन आरोग्य अभियान' का शुभारम्भ

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 8 सितम्बर , समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय 'जन आरोग्य अभियान' का शुभारम्भ किया गया है, जो कि प्रदेशभर में एक माह तक संचालित किया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटरों पर तैनात सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में जाकर आम लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे, साथ ही टीबी मरीजों का चिन्हिकरण, नेत्र परीक्षण, तम्बाकू मुक्त एवं नेत्रदान अभियान के प्रति भी लोगों को जागरूक करेंगे। इसके अलावा सीएचओ आयुष्मान कार्ड एवं डिजिटल हेल्थ आईडी बनाने में भी आम लोगों का सहयोग करेंगे। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य महानिदेशालय देहरादून में राज्य स्तरीय 'जन आरोग्य अभियान' का शुभारम्भ किया। 'एक कदम स्वस्थ जीवन की ओर' विषयक यह जन आरोग्य अभियान प्रदेशभर में एक माह तक संचालित किया जायेगा।

डॉ0 रावत ने बताया कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूक किया जायेगा, ताकि आम जनमानस को गम्भीर रोगों से बचाया जा सके। इसके लिये हेल्थ एंड वैलनेस सेंटरों पर तैनात 940 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को अपने आस-पास के 10-10 गांवों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। इसके लिये सीएचओ ग्राम प्रधान एवं आशा कार्यकत्रियों को 4 दिन पहले गांव में आने की सूचना देंगे ताकि ग्राम पंचायत भवन में अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य परीक्षण के लिये पहुंच सके। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत सीएचओ गांवों में लोगों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख एवं स्तन कैंसर सहित अन्य गैर संचारी रोगों की जांच करेंगे।

डॉ0 रावत ने कहा कि सूबे में चार धाम यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जायेगा। इसके लिये बदरीनाथ धाम में 50 बेड का अस्पताल जबकि केदारनाथ में 30 बेड का अस्पताल अगली यात्रा सीजन तक तैयार कर दिया जायेगा।

कार्यक्रम में महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ0 शैलजा भट्ट, अपर सचिव स्वास्थ्य अमनदीप कौर, संयुक्त निदेशक डॉ0 आर0पी0 खंडूडी, डॉ0 भागीरथी जंगपांगी, डॉ0 भारती राणा, सीएमओ देहरादून डॉ0 मनोज उप्रेती, डॉ0 मयंक बडोला, डॉ0 फरीद सहित देहरादून जनपद के समस्त सीएचओ उपस्थित रहे जबकि अन्य जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारी एवं सीएचओ ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

कम उम्र में शादी होने के खतरों के बारे में बेटियों को किया जागरूक : सरोज ध्यानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग और रूम टू रीड संस्था के सहयोग से early marriage & early pregnancy टॉपिक पर जनपद के महिला शक्ति केंद्र और वन स्टॉप सेण्टर के माध्यम से जी जी आई सी अजबपुर, ब्रहमपूरी, रानीपोखरी और ऋषिकेश और जी आई सी सेलाकुई, पटेलनगर एवं बुल्लावाला की बालिकाओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण गोष्ठी का आयोजन एक सितम्बर से सात सितम्बर तक आयोजन किया गया, महिला कल्याण अधिकारी , सरोज ध्यानी द्वारा बालिकाओं को कम उम्र में शादी होने के खतरों के बारे में जानकारी दी गयी।

बालिकाओं को बताया गया की लड़कियों की मृत्यु का सबसे बड़ा कारण उनकी जल्दी शादी और जल्दी बच्चे को माना गया है, साथ ही यह भी जानकारी दी गयी कि नवजात शिशु की मृत्यु, उन नवजात की होती है, जिनकी माँ की उम्र 20 वर्ष से कम होती है. तो कही न कही हम अपने राज्य के मातृ मृत्यु दर (MMR) एवं शिशु मृत्यु दर (IMR) को बढाने में अपनी भागीदारी निभा रहे है, जो कि हमें नहीं करना है. बालिकाओं की जल्दी शादी और बच्चा पैदा करने से "साइकिल ऑफ़ पावर्टी" में वृद्धि होती है, जिससे कुपोषण का दुष्चक्र भी बना रहता है. वन स्टॉप सेण्टर की माया नेगी के द्वारा बालिकाओं को जल्दी शादी करने के पश्चात शिक्षा के अधिकार से वंचित होने की जानकारी दी गयी।

बालिकाओं अपनी शिक्षा को पूरी नहीं कर पाती है, उनके कन्धों पर घर परिवार की जिम्मेदारी बढ़ जाती है और वह समाज में लिंग भेदभाव का भी शिकारी होने लगती है. साथ सभी बालिकाओं को वन स्टॉप सेण्टर दी जाने वाली सुविधाओं, इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी जिसमे राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1090 आदि की जानकारी के साथ साथ, उनके अधिकारों वह कानूनी अधिकारों की भी जानकारी दी गयी. कार्यक्रम में सरोज ध्यानी, माया नेगी, रेखा भंडारी, नैना डोबरियाल व संगीता उपाध्याय उपस्थित रहे,

उत्तराखंड में जमीन लेने से पहले हजार बार सोचें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर आप भी उत्तराखंड में जमीन खरीदने या बेचने की सोच रहे हैं तो हमारी यह खबर जरूर देखें क्योंकि पिछले कुछ सालों में उत्तराखंड में जमीन खरीदना न सिर्फ महंगा हो गया है बल्कि धोखे का सौदा भी हो गया है। पहाड़ों में अपना घर बनाना हर किसी का सपना होता है, लेकिन आपके इस सपने पर भू-माफियाओं की नजर है. आपको पता भी नहीं चलेगा कि जमीन खरीदते समय कब आपको मूर्ख बनाया जाएगा और ठगा जाएगा। देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, काशीपुर में भूमि धोखाधड़ी के मामले बढ़ते जा रहे हैं और आज तक मामले पुलिस की फाइलों में ही घूम रहे हैं.

वर्ष 2020 में देहरादून में केवल 350 मामले दर्ज किए गए और वर्ष 2021 में भूमि धोखाधड़ी के 154 मामले दर्ज किए गए। वहीं, इस साल भी अब तक भूमि धोखाधड़ी के 100 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं। तस्वीर ये है कि अगर भू-माफिया आपकी जमीन पर कब्जा कर लेते हैं तो आपको पता भी नहीं चलेगा. हैरानी की बात यह है कि इन मामलों में पुलिस का प्रशासन के प्रति रवैया ढुलमुल है। कुछ शिकायतकर्ता ऐसे पाए गए जिनके पास जांच के लिए राज्यपाल से लेकर सीएम तक के आदेश हैं, लेकिन वे फाइलों के साथ ही थानों और कोर्ट के चक्कर लगा रहे हैं.

ऐसे हो रहे हैं धोखे और ये है रोना

रिटायर्ड ऑनरेरी कैप्टन राम किशोर का कहना है कि विकासनगर में उनकी ज़मीन पर भूमाफिया कब्ज़ा कर चुके हैं. सीएम से लेकर गवर्नर के पास वह जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ. कुछ इसी तरह का हाल दूसरे

केसों में भी दिखा. लैंड फ्रॉड के शिकार संजय ने भी कहा कि लगातार डीएम से गुजारिश की, लेकिन अभी तक काम नहीं हुआ. अधिकारियों का रवैया भी बेरुखी का बना हुआ है. हालांकि कुछ रियल एस्टेट कंपनियों को बैन किया जा चुका है, लेकिन फ्रॉड की शिकायतों पर सुनवाई होने में कोताही हो रही है.

भूमि कानून के साथ क्या स्थिति है ?

उत्तराखंड सरकार हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर प्रदेश में बाहरी लोगों द्वारा जमीन खरीदने के नियमों को सख्त करने पर एक रिपोर्ट पर विचार कर रही है। हालांकि इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बाहरी लोग 250 वर्ग मीटर तक की जमीन का सौदा कर सकेंगे, लेकिन यह खरीदारी करने की सीमा एक परिवार के केवल एक सदस्य के पास होगी। यानी आप अभी भी उत्तराखंड में जमीन खरीद पाएंगे, लेकिन बताए गए तथ्य सावधान करते हैं कि जमीन के लेन-देन में आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

UKSSSC पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने 35वीं गिरफ़्तारी की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह के सख़्त निर्देशों के क्रम में UKSSSC पेपर लीक मामले में स्पेशल टास्क फ़ोर्स उत्तराखण्ड (STF) की कार्रवाई लगातार जारी है। इस मामले में आज एसटीएफ ने 35वीं गिरफ़्तारी कर ली है। इसके साथ ही यूकेएसएसएससी की स्नातक स्तरीय परीक्षा पेपर लीक मामले में पूर्व में गिरफ्तार चार अभियुक्तों की जुडिशल रिमांड की कार्यवाही भी सचिवालय रक्षक परीक्षा लीक मुकदमे में की गई है

वन दरोगा ऑनलाइन परीक्षा मामले में भी 2 अभियुक्त पहले गिरफ्तार हो चुके हैं। पिछले कुछ दिनों में इस प्रकार अलग-अलग दर्ज तीन मुकदमों में कुल 38 लोग की गिरफ्तारी हो चुकी है। मुख्यमंत्री उत्तराखंड के सख्त निर्देश के क्रम में कि किसी भी दोषी को बख्शा न जाए इसलिए पेपर लीक मामले में फरार दो अपराधी क्रमशः सादिक मूसा निवासी अंबेडकरनगर उत्तर प्रदेश पर दो लाख का ईनाम और योगेश्वर राव निवासी गाजीपुर उत्तर प्रदेश पर गिरफ्तारी पर एक लाख का ईनाम पुलिस महानिदेशक द्वारा घोषित किया गया है

उत्तराखंड STF द्वारा पेपर लीक मामले में गिरफ़्तार अभियुक्त संदीप शर्मा पुत्र स्वर्गीय राजेश शर्मा निवासी जुल्हान मोहल्ला जसपुर जनपद उधम सिंह नगर अभियुक्त ने अन्य अभियुक्त के साथ मिलकर गाजियाबाद एक फ्लैट में जनपद उधम सिंह नगर एवं जनपद हरिद्वार के कई अभ्यर्थियों को ले जाकर प्रश्न पत्र हल कराया गया था।

गिरफ्तार अभियुक्त के जसपुर और ठाकुरद्वारा में आयुर्वेदिक और पैरा मेडिकल सहित तीन कॉलेज हैं। अभियुक्त से पूछताछ और अन्य जानकारी के आधार पर दो दर्जन के करीब छात्रों को चिन्हित किया गया है। उत्तराखण्ड STF द्वारा गवाहों के बयान एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त को अरेस्ट किया गया। इस गिरफ्तारी से उत्तर प्रदेश में नकल माफियाओं के धामपुर के बाद गाजियाबाद में हुई नकल के सेंटर का पर्दाफाश करने में सफलता मिली है।

देहरादून के रेशमी वस्त्रों के विस्तारित रिटेल आउटलेट का शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड को-आपरेटिव रेशम फेडरेशन लि0 प्रेमनगर, देहरादून के रेशमी वस्त्रों के विस्तारित रिटेल आउटलेट का शुभारम्भ कृषि मंत्री गणेश जोशी एवं सहकारिता मंत्री डा0 धन सिंह रावत द्वारा किया गया।

सिल्क पार्क प्रेमनगर-देहरादून में रेशम फेडरेशन का चौथा वस्त्र विक्रय केन्द्र का शुभारम्भ हुआ जिसमें विविध प्रकार के रेशमी एवं मिश्रित रेशमी उत्पादों का विक्रय बहुत ही रियायती दरों पर किया जायेगा। इस सेल काउन्टर में प्रमुख रुप से उत्तराखण्ड में निर्मित हैण्डलूम उत्पादों के साथ फेडरेशन द्वारा आउटसोर्स के माध्यम से तैयार किये जा रहे उत्पादों रेशमी साड़ी, सूट इत्यादि फाइन सिल्क के उत्पाद मिल सकेंगे। पुरुष परिधानों में वैस्ट कोट, मफलर, पहाड़ी टोपी, कुर्ता एवं सिल्क फेब्रिक प्रमुख रुप से हैं।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री गणेश जोशी द्वारा कोसोत्तर गतिविधियों में फेडरेशन द्वारा किये जा रहे अभिनव प्रयोगों की सराहना की गई एवं रेशम वस्त्र विकास कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु हर प्रकार से फेडरेशन की सहायता करने का आश्वासन दिया गया । सहकारिता मंत्री द्वारा सिल्क पार्क से सेल काउण्टर की उदघाटन के अवसर पर राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की किसानों की सहायता हेतु चलाई जा रही ऋण योजनाओं के बारे में बताया गया एवं संघ को निर्देश दिये गये कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए पंचवर्षीय योजना तैयार कर भारत सरकार को वित्तीय सहयोग के लिए प्रेषित करे। उनके द्वारा अपने मंत्रालय से हर प्रकार से फेडरेशन की सहायता रेशम विकास कार्यों के प्रचार-प्रसार के लिए दिये जाने का आश्वासन देते हुए आगामी 02 वर्षों में संघ का मुनाफा 02 करोड़ तक पहुंचने का लक्ष्य दिया गया। कार्यक्रम में प्रबन्ध निदेशक आनन्द शुक्ला द्वारा अवगत कराया गया कि फेडरेशन के आगामी समय में 10 नये आउटलेट खोलने की योजना है। जिसे इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य है एवं इस वित्तीय वर्ष के अन्त में फेडरेशन अपना मुनाफा 01 करोड़ तक रहेगा। फ़ेडरेशन अध्यक्ष चौधरी अजीत सिंह द्वारा फेडरेशन द्वारा अवगत कराया गया कि फेडरेशन द्वारा न सिर्फ बुनाई कार्य किया जा रहा है। अपितु प्रदेश के लगभग 4000 रेशम कोया उत्पादकों के रेशम कोया का क्रय भी किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार, उपनिदेशक रेशम द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैंट विधायक सविता कपूर द्वारा की गई एवं कार्यक्रम में रेशम फेडरेशन के अध्यक्ष चौ0 अजीत सिंह, निबन्धक सहकारी समिति आलोक कुमार पाण्डे, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह बिष्ट, प्रबन्ध समिति के सदस्य धर्मवीर सिंह तोमर, सुनील कुमार बनारसी लाल, सत्यपाल, देवेन्द्र बिष्ट सहित रेशम निदेशालय के उप निदेशक प्रदीप कुमार सहित बुनकर एवं कीटपालक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रणबीर कपूर, आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग के लिए 1 लाख टिकट बेचे

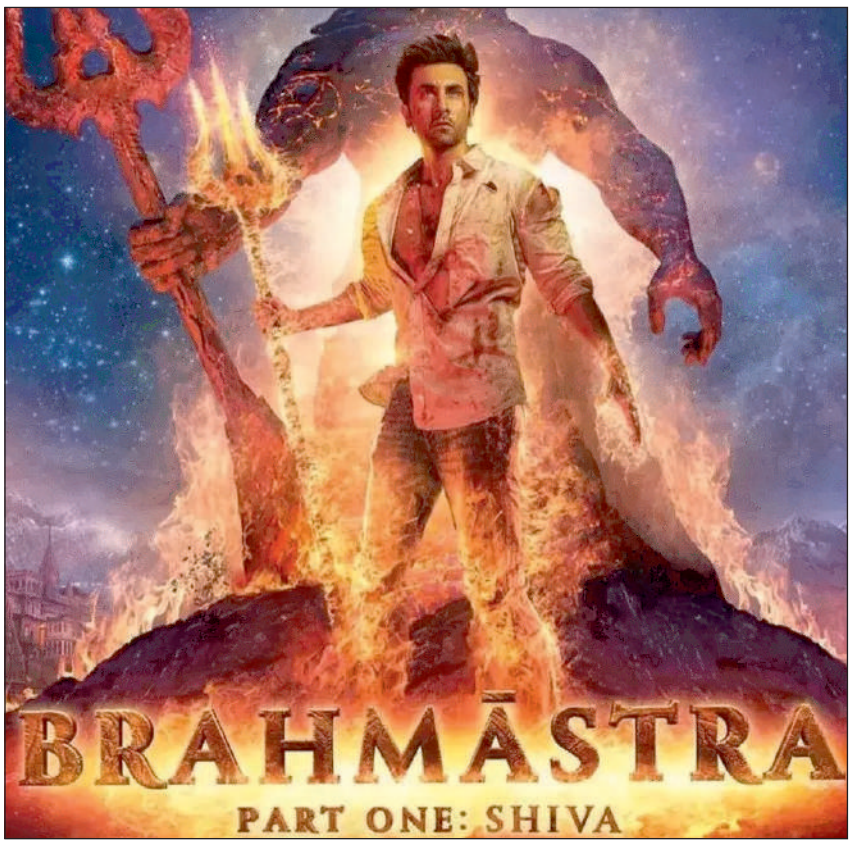

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्रह्मास्त्र त्रयी शिव त्रयी या किसी अन्य पुस्तक पर आधारित नहीं है। कहानी और पटकथा अयान मुखर्जी ने लिखी है जो एक दशक से अधिक समय से ब्रह्मास्त्र प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे । ब्रह्मास्त्र ने अग्रिम बुकिंग के मामले में आरआरआर और भूल भुलैया 2 दोनों को पछाड़ दिया है और इसके रिलीज होने में अभी 3 दिन बाकी हैं। फिल्म को पहले दिन बंपर और ओपनिंग वीकेंड के लिए सुनिश्चित किया गया है।करण जौहर द्वारा निर्मित और अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित ब्रह्मास्त्र ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से कहीं बेहतर शुरुआत की है, तीन राष्ट्रीय मल्टीप्लेक्स श्रृंखलाओं में 25,000 टिकट बेचे जा चुके हैं, जिस दिन बुकिंग खुली, और काउंटर अभी तक देश भर में कुछ जेबों में खोलने के लिए। यह शुरुआती सप्ताहांत के लिए बहुत अच्छा संकेत देता है, यह दर्शाता है कि दर्शकों के बीच रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म देखने के लिए एक वास्तविक रुचि है, यह दर्शाता है कि ब्रह्मास्त्र ट्रेलर, ब्रह्मास्त्र गाने और प्रचार सभी ने बड़े समय पर क्लिक किया है। और अब, 25,000 की संख्या बढ़कर एक लाख से अधिक हो गई है।

महामारी के बाद ब्रह्मास्त्र सर्वश्रेष्ठ अग्रिम बुकिंग लेता हैवास्तव में, हमारे व्यापार स्रोतों और खुद की बॉक्स-ऑफिस ट्रैकिंग ने अयान मुखर्जी के निर्देशन और करण जौहर के प्रोडक्शन, ब्रह्मास्त्र को, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, मौनी रॉय, नागार्जुन और अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत, बॉलीवुड फिल्म पोस्ट के लिए सर्वश्रेष्ठ अग्रिम बुकिंग के रूप में आंका है। - महामारी, और पहले 2 दिनों के लिए संख्या इतनी अच्छी है कि इसे पूर्व-महामारी के समय में भी अच्छा माना जाता था, लेकिन आज के दिन और उम्र में, यह एक सपने के सच होने की शुरुआत के लिए तैयार है।

मल्टीविटामिन पर पैसा बर्बाद करना बंद करो, उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में विज्ञान अभी भी अस्पष्ट है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोई भी मल्टीविटामिन सप्लीमेंट सामान्य आबादी में हृदय रोग को रोकने के लिए सिद्ध नहीं हुआ है, लेकिन जोखिम वाले व्यक्तियों में दिल के दौरे को रोकने में केवल ओमेगा -3 फैटी एसिड सप्लीमेंट उपयोगी पाया गया है। 'मल्टीविटामिन गोलियां बेहतर स्वास्थ्य का शॉर्टकट नहीं हैं' - भारत भर में कई डॉक्टर अपने मरीजों को बता रहे हैं जो पूरक आहार निर्धारित करने पर जोर देते हैं। दुनिया में ऐसे मरीज़ हैं जो बिना किसी कारण के मल्टीविटामिन लेने के लिए कहते हैं। जब तक रिपोर्ट में कमी नहीं दिखाई देती, मैं सप्लीमेंट्स की सलाह नहीं देता। अन्यथा, यदि आप स्वस्थ आहार का पालन करते हैं, तो आप भोजन से सभी विटामिन और खनिज प्राप्त कर सकते हैं।कोविड -19 के प्रकोप के बाद सनक और भी स्पष्ट हो गई है। ₹स्वस्थ लोग भी कैप्सूल और सिरप मांगते हैं, यह मानते हुए कि यह उन्हें प्रतिरक्षा देगा और स्वास्थ्य बनाए रखेगा। कोई आश्चर्य नहीं कि भारतीयों ने 2020 में कोविड -19 से लड़ने के लिए विटामिन सी, जिंक और मल्टीविटामिन की 500 करोड़ से अधिक गोलियां खरीदीं। लेकिन, क्या हमें वास्तव में अपने शरीर को फिट और ठीक रखने के लिए मल्टीविटामिन का सेवन करने की आवश्यकता है ?इस बीच, एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है और जब मल्टीविटामिन की बात आती है तो विज्ञान-आधारित, तर्कसंगत प्रिस्क्राइबिंग समय की आवश्यकता है। न तो आपको विटामिन को सीधे तौर पर अस्वीकार करना चाहिए और न ही बिना किसी सिद्ध कारण के उन्हें अनावश्यक रूप से निगलना चाहिए।

'थप्पड़बाज' मैडम दारोगा की शर्मनाक करतूत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 8 सितंबर। रिश्तों को शर्मिंदा करने वाली खबरें आप अक्सर सुनते होंगे। लेकिन क्या कोई खाकी में हिफाज़त की कसम लेकर अपने ही परिजनों के लिए दुश्मन बन सकता है , यकीन करना मुश्किल है लेकिन दिल्ली में दारोगा और थप्पड़बाज बहू को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल थप्पड़बाज बहू के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोप है कि चंचल नाम की इस एएसआई ने अपने ही बुजुर्ग ससुर की बेरहमी से पिटाई की थी।

राजधानी दिल्ली के लक्ष्मीनगर में बुजुर्ग ससुर की बेरहमी से पिटाई करने वाली असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (ASI) बहू को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने ASI के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। दरअसल इस आरोपी ASI का वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में थप्पड़बाज दारोगा अपने बुजुर्ग ससुर को एक के बाद एक कई थप्पड़ मारती दिखाई दे रही है। इस घटना को लेकर लोगों में खासा गुस्सा है। खास बात यह है कि, जिस वक्त ये घटना हुआ उस दौरान वहां लोकल पुलिस भी मौजूद थी।

ये है पूरा मामला

दरअसल दिल्ली में जुर्म की तो कई वारदातें आपने सुनी और देखी होंगी, लेकिन ये वारदात खुद पुलिस की ओर से ही अंजाम दी गई थी। इससे लोगों की चिंता और बढ़ गई। 66 वर्षीय विजेंदर गुप्ता 62 वर्षीय पत्नी वीना के साथ लक्ष्मीनगर इलाके में रहते हैं। विजेंदर गुप्ता के बेटे की पत्नी चंचल जो कि दिल्ली पुलिस में एएसआई के पद पर डिफेंस कॉलोनी थाने में तैनात है उसने सोमवार सुबह मां के साथ उनके घर आई।

संपत्ति अपने नाम करवाना चाहती हैं चंचल

वहां आकर पहले दरवाजे के पास तोड़फोड़ करने लगी। इसके बाद बुजुर्ग दंपति ने पुलिस को फोन पर मामले की सूचना दी। पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में ही चंचल ने बुजुर्ग विजेंदर गुप्ता को पीटना शुरू कर दिया।बुजुर्ग दंपति ने बताया कि उनके बेटे अंकुर गुप्ता की शादी 2020 में बल्लभगढ़ की रहने वाली चंचल के साथ हुई थी। शादी के 4 महीने बाद ही चंचल झगड़ा कर मायके चली गई।

सीएम धामी की मौजूदगी में BSP नेता रविंद्र पनियाला BJP में शामिल

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार पंचायत चुनाव से पहले भाजपा ने बड़ा दांव खेला है। बुधवार को बहुजन समाज के नेता ने भाजपा की सदस्यता ले ली. हरिद्वार में होने वाले पंचायत चुनाव से पहले भाजपा ने बसपा में बड़ी सेंधमारी मानी जा रही है. हरिद्वार जिले के बसपा जिलाध्यक्ष रविंद्र पनियाला ने हठी की सवारी से उतर कर भाजपा के भगवा रंग में कमल थाम लिया है। आपको बता दें कि हरिद्वार में बहुजन के नेता रहे रविंद्र पनियाला को प्रभावशाली गुर्जर नेता माना जाता हैं।

देहरादून में पार्टी मुख्यालय में बड़े नेताओं की मौजूदगी में रविंद्र पनियाला के साथ सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, सीएम पुष्कर सिंह धामी और पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल ने लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई है. इस दौरान भाजपा में शामिल रविंद्र पनियाला व अन्य लोगों ने कहा कि वह और अधिक ऊर्जा के साथ भाजपा को मजबूत करने का काम करेंगे.

राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के नौवीं बार अध्यक्ष बने भगवत प्रसाद मकवाना

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लगातार आठवीं बार अध्यक्ष बनने के साथ ही भगवत प्रसाद मकवाना ने देहरादून में नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन की भी घोषणा की है। आपको बता दें कि राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री उत्तराखंड सरकार भगवत प्रसाद मकवाना ने के मुताबिक बीती 10 जुलाई को एमपी क्लब नई दिल्ली में संगठन द्वारा वाल्मीकि समाज के ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय वाल्मीकि चिंतन बैठक का आयोजन किया गया था जहाँ वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के 5 पदों पर सर्वसम्मति से चुनाव हुआ।

इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने भगवत प्रसाद मकवानातो वहीँ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने डॉक्टर शांतिलाल जावा , इसके साथ ही राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने दिल्ली के लाल चंद्र मेहरोलिया , राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री बने सहारनपुर के भारत भूषण और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बने देहरादून के राजेंद्र मोहन केसला। मीडिया को सूची जारी करते हुए मकवाना ने बताया कि अन्य सभी पदों की भी ज़िम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी गयी है जिससे समाज की आवाज़ और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके।

प्रखर समाजादी नेता स्वर्गीय ज्योति बहुगुणा को श्रद्धांजलि : सूर्यकान्त धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 8 सितम्बर। उत्तरप्रदेश के जमाने में देहरादून की राजनीति में व सामाजिक क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान रखने वाले देहरादून की नगरपालिका के कई बार सदस्य रहे व राज्य के लिए गठित संयुक्त संघर्ष समिति के नगर अध्यक्ष रहे ज्योति बहुगुणा की 16 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने उनके निवास पर आयोजित कार्यक्रम में जा कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

सामाजिक सेवा में जुटे धस्माना ने स्वर्गीय बहुगुणा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ज्योति बहुगुणा सत्तर के दशक से राज्य निर्माण तक देहरादून की राजनीति के अभिन्न हिस्सा रहे। नगरपालिका देहरादून के सदस्य से लेकर लोकदल के नगर अध्यक्ष व उत्तराखंड

■ देहरादून के राजनैतिक व सामाजिक क्षेत्र में विशिष्ट पहचान थी ज्योति बहुगुणा की : धस्माना

संयुक्त संघर्ष समिति के नगर अध्यक्ष के पदों को सुशोभित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण के लिए वे अनेक बार जेल गए व आंदोलन में उनकी राज्य निर्माण तक सक्रिय भूमिका रही लेकिन राज्य निर्माण के बाद उन्होंने सक्रीय राजनीति से सन्यास ले लिया और 7 सितंबर 2006 को उनका देहावसान हो गया। इस दौरान राजेन्द्र बहुगुणा, संजय कुमार कद्दू, समपूर्णानंद परिपूर्णानंद, राजीव प्रजापति, राजकुमार, सोनू, सचिन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

सचिन तेंदुलकर के फैंस के लिए खुशखबरी, आप उन्हें फिर खेलते हुए देख सकते हैं

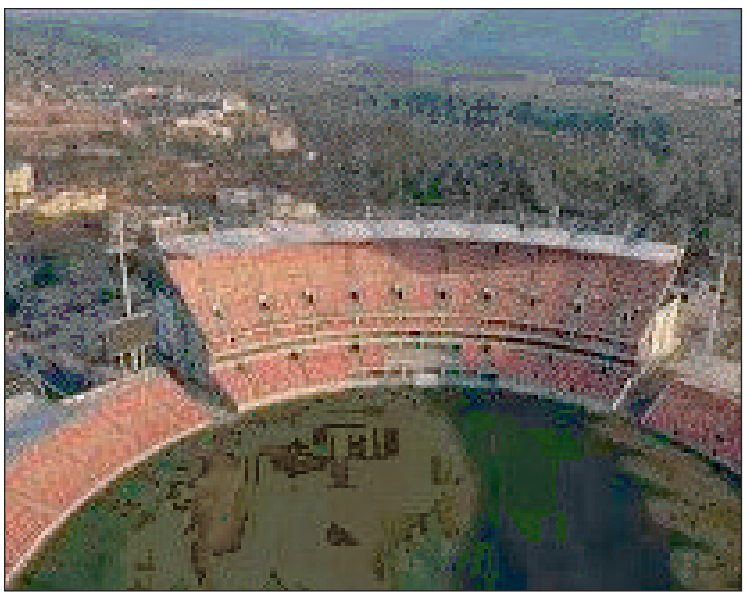

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सचिन तेंदुलकर ही नहीं आप क्रिकेट के तमाम बेहतरीन खिलाड़ियों को उनके साथ खेलते हुए देख सकते हैं। आपको बता दे सचिन तेंदुलकर,जल्द ही युवराज सिंह, इरफान पठान, हरभजन सिंह देहरादून के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में फिर से एक साथ क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। दरअसल, 1 सितंबर से 24 सितंबर तक चलने वाली रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज-2022 का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसमें से छह मैच दून में होंगे।

21 और 24 सितंबर को, इंडिया लीजेंड्स सचिन तेंदुलकर की अगुवाई में बांग्लादेश और इंग्लैंड से भिड़ेंगे। राजीव गांधी स्टेडियम में इन दिनों तैयारियां जोरों पर हैं। सूत्रों के मुताबिक जमीन पर पिच के मेंटेनेंस का काम चल रहा है. सीरीज में कुल आठ देश खेल रहे हैं। राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में पांच दिनों में छह मैच खेले जाएंगे।

पहला मैच 21 सितंबर को इंडिया लीजेंड्स और बांग्लादेश लीजेंड्स के बीच खेला जाएगा। वेस्टइंडीज लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच 22, ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स और साउथ अफ्रीका लीजेंड्स के बीच 23, इंडिया लीजेंड्स और इंग्लैंड लीजेंड्स के बीच 24, श्रीलंका लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच 25 को मैच होगा। ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स और वेस्ट के बीच मैच इंडीज लीजेंड्स 25 सितंबर की शाम को खेला जाएगा।ये हैं इंडिया लीजेंड्स टीम सचिन तेंदुलकर (कप्तान), युवराज सिंह, इरफान पठान, मुनाफ पटेल, यूसुफ पठान, हरभजन सिंह, एस बद्रीनाथ, नमन ओझा, प्रज्ञान ओझा, विजय कुमार, राहुल शर्मा, मनप्रीत गोनी, स्टुअर्ट बिन्नी, राजेश पवार और अभिमन्यु मिथुन भारतीय टीम में होंगे।

जानिए कैसे भारत अब भी कर सकता है एशिया कप फाइनल के लिए क्वालीफाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट के नुकसान ने एशिया कप फाइनल में भारत की संभावना को चोट पहुंचाई, तो मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ 6 विकेट के झटके ने मेन इन ब्लू को जल्दी और शर्मनाक रूप से बाहर करने के कगार पर पहुंचा दिया।

जैसा कि अभी चीजें हैं, भारत ने सुपर 4 में दो खेले हैं और दो हारे हैं, जिसमें एक मैच खेलना बाकी है।

सुपर 4s अंक तालिका इस तरह दिखती है:

1. श्रीलंका - 2 मैचों के बाद 4 अंक
2. पाकिस्तान - 1 मैच के बाद 2 अंक
3. भारत - 2 मैचों के बाद 0 अंक
4. अफगानिस्तान - 1 मैच के बाद 0 अंक

श्रीलंका, 4 अंक और +0.351 के एनआरआर के साथ ढेर के शीर्ष पर बैठा है। उनके पास खेलने के लिए 1 मैच बाकी है, जो पाकिस्तान के खिलाफ है।

अब, ऐसा परिदृश्य हो सकता है जहां तीन टीमें 4 पर समाप्त होती हैं ..

ऐसा हो सकता है अगर -

1. पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराया और 4 अंक पर गया

2. अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को हराया और 2 अंक पर गया
3. अफगानिस्तान ने फिर भारत को हराया और 4 अंक पर गया

इस परिदृश्य में, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान सभी 4 बिंदुओं पर होंगे और NRR दो फाइनलिस्ट का निर्धारण करने के लिए तस्वीर में आएगा। भारत हालांकि इस परिदृश्य में विशेषता नहीं है।

रविवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए श्रीलंकाई खिलाड़ी फिलहाल पोल पोजीशन में हैं।

इस बीच भारत के पास वर्तमान में 0 अंकों के साथ अफगानिस्तान (-0.125 की तुलना में -0.589 की तुलना में) की तुलना में थोड़ा बेहतर नेट रन रेट है।

तो क्या भारत अभी भी फाइनल कर पाएगा? हाँ वे कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें अपने रास्ते पर जाने के लिए एक छोटे से चमत्कार और निश्चित रूप से अन्य परिणामों की आवश्यकता होगी।

6 अक्टूबर को गूगल ला रहा है, लोगों का पसंदीदा फ़ोन पिक्सेल 7

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गूगल ने अपने वार्षिक फॉल प्रोडक्ट लॉन्च इवेंट के लिए निमंत्रण भेजा, जिसमें पुष्टि की गई कि उत्पाद अनावरण समारोह 6 अक्टूबर को ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में होगा। आमंत्रण अधिक प्रकट नहीं करता है, हालांकि यह संभवतः Google के पतन हार्डवेयर लाइनअप को प्रदर्शित करेगा।वार्षिक कार्यक्रम वह जगह है जहां गूगल आम तौर पर पिक्सेल स्मार्टफोन और उसके अन्य उपकरणों के अगले संस्करण को पेश करता है। पिछले साल कंपनी ने पिक्सेल 6 और पिक्सेल 6 प्रो स्मार्टफोन पेश किए थे, जो कंपनी के अपने टेंसर चिप द्वारा संचालित पहला डिवाइस था।यह आमंत्रण एप्पल के क्यूपर्टिनो, कैलिफ़ोर्निया में एक मेगा इन-पर्सन इवेंट आयोजित करने से एक दिन पहले आया है। कंपनी कथित तौर पर iphone 14 लाइनअप और एथलीटों और धावकों के उद्देश्य से एक हाई-एंड एप्पल वॉच लॉन्च करेगी।गूगल अपने स्वयं के ब्रांडेड पिक्सेल स्मार्टफोन विकसित करने में अपेक्षाकृत नया खिलाड़ी हो सकता है, लेकिन कंपनी के हैंडसेट मोबाइल फोटोग्राफी स्पेस और एआई में अग्रणी हैं। गूगल ने मई में अपने वार्षिक डेवलपर सम्मेलन में पिक्सेल 7 और पिक्सेल 7 प्रो को छेड़ा, जिससे हमें यह अंदाजा हो गया कि कंपनी के iPhone 14 प्रतिद्वंद्वी से क्या उम्मीद की जाए। दोनों डिवाइस में प्रीमियम डिज़ाइन, गूगल के Tensor चिप का नया संस्करण, एंड्राइड 13 और बेहतर कैमरा सिस्टम होंगे।

अचानक डीएम युगल किशोर बन गए बैडमिंटन खिलाडी, जानिए कहाँ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 07 सितम्बर , कुमांयू विश्वविद्यालय अन्तर महाविद्यालय वैडमिण्टन (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता 22-23 का आयोजन सरदार भगत सिंह राजकीय स्ना0 रूद्रपुर के द्वारा गल्ला मण्डी वैडमिण्टन हाल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने बैटमिंटन खेल कर किया। जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर, उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होने कहा कि किसी भी खेल में युवाओं को बढ-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिये। उन्होने कहा कि खेल से शारिरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास होता है। उन्होने कहा कि खेल से भी भविष्य सवारा जा सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 केके पाण्डेय ने बताया कि यह प्रतियोगिता दो दिवसीय है जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के 13 पुरूष व 12 महिला कुल 25 टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। इस दौरान विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी नागेन्द्र शर्मा,

अर्जुन पुरस्कार विजेता मनोज सरकार, प्रतियोगिता के संयोजक सचिव राजेश कुमार, पुष्कर राज जैन, विजय गिरधर, भूपेन्द्र दुम्का, निर्मला पंत, मनी भारद्वाज, लोकश पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

शिक्षा में बड़ी पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में 14,500 आदर्श विद्यालयों की स्थापना की घोषणा की है. अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त इन स्कूलों को पीएम श्री (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) की संज्ञा दी गयी है. स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित इन विद्यालयों में बच्चों को भविष्य के लिए तैयार किया जायेगा. उल्लेखनीय है कि इस तरह के स्कूलों के बारे में पहली घोषणा जून में राष्ट्रीय शिक्षा नीति सम्मेलन में की गयी थी. इस योजना की परिकल्पना तैयार करने की प्रक्रिया में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ शैक्षणिक संस्थानों व विद्वानों से सुझाव लिये गये हैं. देश के विकसित भविष्य को दृष्टि में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तैयार किया गया है, जिसकी प्रयोगशाला के तौर पर पीएम श्री स्कूल अन्य उत्कृष्ट विद्यालयों, जैसे- नवोदय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय आदि, के साथ काम करेंगे. नवोदय और केंद्रीय विद्यालय पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित होते हैं, लेकिन पीएम श्री स्कूलों के संचालन में केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों का भी योगदान होगा. इस योजना में नये स्कूल भी बनेंगे और पहले से स्थापित स्कूलों को भी इस श्रेणी में शामिल किया जायेगा. इस पहल की एक विशेषता यह भी है कि ये स्कूल अपने आसपास के अन्य स्कूलों का भी मार्गदर्शन करेंगे. हालांकि अभी सरकार की ओर यह जानकारी नहीं दी गयी है कि ये विद्यालय कहां-कहां होंगे, पर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में भी इन्हें स्थापित किया जायेगा. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिये गये अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया था. इस संकल्प को साकार करने के लिए न केवल स्कूली शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है, बल्कि समुचित संसाधनों तथा उत्कृष्ट पाठ्यक्रम की भी दरकार है. बड़ी संख्या में बच्चे देश के ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में निवास करते हैं. वहां के मौजूदा स्कूलों की स्थिति संतोषजनक नहीं है. संसाधनों और शिक्षकों की कमी के कारण उनकी शिक्षा का स्तर अक्सर ऐसा नहीं होता है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए शहरों के अच्छे संस्थानों में जा सकें. पीएम श्री स्कूलों से विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी क्रांति की अपेक्षा की जा सकती है. भविष्य की दुनिया आज से बिल्कुल अलग होगी. तब तकनीक, कौशल, क्षमता बहुलता जैसे कारकों का महत्व बहुत अधिक बढ़ चुका होगा. यदि प्राथमिक स्तर से ही बच्चों की प्रतिभा को बढ़ाने और संवारने के प्रयास होंगे, तो हमारे पास मेधावी मानव संसाधन उपलब्ध होगा.

डीजीपी अशोक कुमार की अनोखी पहल है - Dialogue with DGP आप भी ज़रूर शामिल हों

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पुलिस के महानिदेशक अशोक कुमार ने राजधानी देहरादून की यातायात व्यवस्था के प्रति सजग / जागरुकता एवम ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए प्रभावशाली पहल की है।

9 सितम्बर को दोपहर समय 12.00 बजे रेसकोर्स स्थित पुलिस लाईन देहरादून में Dialogue with DGP कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें अक्षय कोंडे, पुलिस अधीक्षक यातायात देहरादून द्वारा देहरादून शहर क्षेत्रान्तर्गत स्थापित समस्त स्कूल / प्रतिष्ठान के प्रधानाचार्य तथा प्रबुद्ध नागरिकों एवं सीनियर सिटीजनों से अपील की है कि वे वर्तमान समय में शहर की यातायात समस्याओं पर चर्चा किये जाने हेतु उक्त तिथि को पहुंचकर अपने महत्वपूर्व विचार / सुझाव कार्यक्रम में ज़रूर रखें। आपको बता दें कि इस तरह की जन सहभागिता के आयोजनों का मकसद जनता के कीमती और रोचक सुझावों को जानना होता है जिससे लोगों की भागीदारी के साथ साथ नए नए प्रयोगात्मक उपाय किये जा सकें।

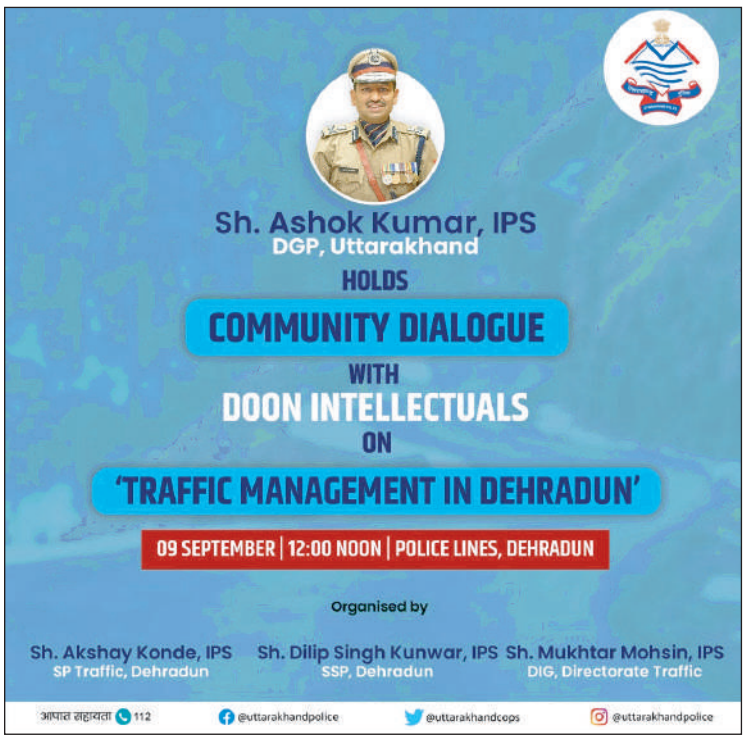

न्यूज़ वायरस भी देहरादून की जनता से अपील करता है कि स्मार्ट शहर में पुलिसिंग को और भी असरदार बनाने के लिए ट्रेफिक की समस्याओं से जुडी चुनौतियों से निपटने में अपने सुझाव और अनुभव ज़रूर साझा करें।

रेंज मीटिंग में पुलिस उपमहानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल ने दिए निर्देश

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 8 सितम्बर , पुलिस उपमहानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल द्वारा गढ़वाल परिक्षेत्रीय कार्यालय देहरादून में गढ़वाल परिक्षेत्र के समस्त SSP/SP's के साथ रेंज मीटिंग आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। आइये जानते हैं वो अहम निर्देश क्या हैं -

▪ परिक्षेत्र के जनपदों में एस0आई0टी0/अन्य विवेचनाओं में नियुक्त टीमों की समय-समय पर समीक्षा कर विवेचनाओं का गुण-दोष के आधार पर समयबद्ध निस्तारण कराना सुनिश्चित करें ।

▪ समस्त SSP/SP's को निर्देशित किया कि परिक्षेत्र के जनपदों में साइबर क्राईम से सम्बन्धित अभियुक्त जो कि अन्य राज्यों विशेष तौर पर दूरस्थ राज्यों के हों उनकी सूची उपलब्ध करायी जाय ताकि उनकी गिरफ्तारी हेतु संयुक्त टीम का गठन किया जा सके ।

▪ मुख्यमंत्री के नशामुक्त विजन के तहत सभी जनपद मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाना सुनिश्चित करें । समय - समय पर स्कूल/कॉलेजों में नशे के विरूद्ध जनजागरूकता अभियान चलाकर व सोशल मीडिया के माध्यम से नशे की रोकथाम हेतु जागरूक किया जाय । साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर गैंगस्टर में निरूद्ध करने की कार्यवाही की जाय।

▪ परिक्षेत्र के जनपदों में मुख्य /संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर CCTV कैमरे लगाना सुनिश्चित करें ताकि आपराधिक /अप्रिय घटनाओं की रोकथाम की जा सके ।

▪ सी0एम0 पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का स्वंय प्रयवेक्षण कर समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाय ।

▪ पुलिस मुख्यालय अथवा परिक्षेत्र स्तर पर संचालित होने वाले अभियानों में प्रभावी कार्यवाही कराये जाने हेतु जनपदों के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित कर अभियान को शत-प्रतिशत पूर्ण करायें ताकि उसके सकारात्मक/ दूरगामी परिणाम प्राप्त हो सकें ।

▪ जनपदों की पुलिस लाईनों में मौजूद नागरिक पुलिस के अधिकारी/कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से न रोका जाये । जनपदों के थानों में पुलिस बल की समीक्षा कर आवश्यकता अनुसार पुलिस बल आवंटित करने हेतु निर्देशित किया गया ।

▪ जनपदों में पी0जी0 भवनों में निवासरत बाहरी व्यक्तियों एंव फेरी लगाने वालों की समय- समय पर जांच कर सत्यापन कराना सुनिश्चित करें । ताकि बढ़ते अपराधों व अप्रिय घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके ।

▪ परिक्षेत्र के जनपदों के थानों पर बरामद लावारिस वाहनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने हेतु जनपद के जिला मजिस्ट्रेट एवं सम्बन्धित अधिकारी से पत्राचार करें ताकि लावारिस वाहनों का समय से निस्तारण किया जा सके ।

▪ लंबित पेंशन एंव मृतक आश्रित प्रकरणों में विशेष रूचि दिखाते हुए समयबद्ध निस्तारण किया जाय ।

▪ परिक्षेत्र के जनपदों में वाहन चोरी में संलिप्त अभियुक्तों पर गैंगस्टर की कार्यवाही की जाय ताकि वाहन चोरी जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके ।

रेंज मीटिंग में योगेन्द्र सिंह रावत उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार, दिलीप सिंह कुंवर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून, नवनीत भुल्लर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी, यशवन्त सिंह चौहान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी, अर्पण यदुवंशी पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, आयुष अग्रवाल पुलिस अधीक्षक जनपद रूद्रप्रयाग, श्वेता चौबे पुलिस अधीक्षक चमोली सम्मिलित रहे ।

अपनी सुरक्षा के लिए कमर कस लें : चलते वाहन में सीट बेल्ट लगाना क्यों जरूरी है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पिछली सीटों पर सीट बेल्ट लगाने से मृत्यु दर को 25 प्रतिशत तक रोका जा सकता है। पीछे की सीट पर एक अनैतिक यात्री के आगे की सीट से टकराने की संभावना है, जिससे सामने वाले लोग अस्थिर हो जाते हैं, भले ही उन्होंने अपनी सीट बेल्ट पहन रखी हो। पुलिस ने हाल ही में उद्योगपति साइरस मिस्त्री की मौत को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हर साल लगभग 1.3 मिलियन लोग सड़क दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप मर जाते हैं, जिसका मुख्य कारण ओवर स्पीडिंग है, जो रहने वालों के लिए भाग्य मृत्यु दर को 85 प्रतिशत से अधिक बढ़ा देता है।

रविवार को, टाटा सन के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की एक भीषण कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई, जिसके बारे में रिपोर्ट्स में कहा गया था कि यह उनके सीट बेल्ट न पहनने का परिणाम था। इस घटना ने यातायात पुलिस द्वारा सुरक्षा उपाय के रूप में ड्राइविंग करते समय सीट बेल्ट पहनने के लिए बार-बार और दोहराए गए सुझावों को सामने लाया है। कार सवार सड़क के नियमों की अनदेखी करते हैं जबकि तेज रफ्तार चिंता का एक प्रमुख कारण रहा है, चाहे दिन का कोई भी समय क्यों न हो, नए और बेहतर राजमार्गों के निर्माण से कारों द्वारा तेज और जोखिम भरा पैंतरेबाज़ी हुई है। इसे हमेशा कम पुलिस वालों और खाली सड़कों पर दोष दिया गया है जो मोटर चालकों को यातायात नियमों से आसानी से दूर करने में सक्षम बनाती हैं।

हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सीट बेल्ट न लगाकर अपनी सुरक्षा की अवहेलना करने वाले यात्रियों की भी लापरवाही है, जो आज सभी कार वेरिएंट में उपलब्ध हैं। सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स के अनुसार पिछली सीट पर बैठे यात्री के लिए सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य है। नियम 138 (3) के अनुसार, ₹आगे की सीट पर बैठे व्यक्तियों या आगे की ओर पीछे की सीटों पर बैठने वाले व्यक्तियोंर को वाहन चलते समय सीट बेल्ट पहनना चाहिए। सीट बेल्ट नियम का उल्लंघन करने वालों पर ₹1,000 के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

यहाँ शीर्ष कारण बताए गए हैं कि आप सीट बेल्ट क्यों लगाते हैं:

1. पैसेंजर बन सकते हैं प्रोजेक्टाइलः कई बार, सीट बेल्ट नहीं पहनने वाले, खासतौर पर पीछे वाले, एक्सीडेंट के दौरान प्रोजेक्टाइल बन सकते हैं। दुर्घटना की स्थिति में बिना बकल किए यात्रियों को खिड़कियों के माध्यम से आसानी से बाहर निकाला जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो सकती है।

2. एयरबैग खोलने में मदद करता हैः ज्यादातर कारों में, यात्रियों के सीट बेल्ट पहनने तक एयरबैग नहीं खुलते हैं, और यह मौत का एक प्रमुख कारण हो सकता है।

3. आपको जुर्माना प्राप्त करने से रोकता हैः यदि आप सीट बेल्ट नहीं पहने हुए पकड़े जाते हैं, तो आपको ट्रैफ़िक टिकट जारी किया जा सकता है, आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है, और आपके ड्राइविंग रिकॉर्ड का उल्लंघन हो सकता है।

4. ऑटो बीमा को नुकसान को कवर करने से रोकता हैः दुर्घटना कवरेज में अधिकांश बीमा पॉलिसियों में एक क्लॉज होता है जिसमें कहा गया है कि यदि आपने अपनी सीट बेल्ट नहीं पहनी थी, तो व्यक्तिगत चोट और वाहन क्षति दोनों के लिए आपको किसी भी नुकसान की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी।

वन अनुसंधान संस्थान के किसान मेले में जुटे किसान , वैज्ञानिक और कृषि विशेषज्ञ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 8 सितम्बर , वन अनुसंधान संस्थान द्वारा किसान मेले का आयोजन किया गया। कायर्क्रम का आयोजन विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा किया गया। निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून डा0 रेनू सिंह, भा.व.से. ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और कायर्क्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कायर्क्रम के मुख्य अतिथि ए.एस. रावत, भा.व.से., महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और उद्घाटन भाषण दिया। कायर्क्रम समापन ऋचा मिश्रा, भा.व.से., प्रमुख, विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

उद्घाटन सत्र के बाद मुख्य अतिथि ने मेला सह प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन किया। किसान मेला ने संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। वन संवधर्न एवं प्रबंधन प्रभाग, रसायन एवं जैव-पूवेक्षण प्रभाग, राष्ट्रीय वन पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र, आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग, वन उपज प्रभाग, अकाष्ठ वन उपज शाखा ने आयोजन स्थल पर स्टॉल लगाए। इसके अलावा वाटरशेड प्रबंधन निदेशालय, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र, देहरादून, औषधीय और सुगंधित पौधे संस्थान, भारतीय मृदा और जल संरक्षण संस्थान द्वारा स्टॉल लगाए गए। छोटे उद्यमियों, स्वयं सहायक समूहों और कृषि उद्यमियों के स्टॉल भी लगाए गए। मेले प्रांगण में स्थित किसान गोष्ठी हॉल में तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रजातियों के उत्पादन के लिए नसर्री तकनीक, उत्पादकता वृद्धि के लिए गुणवत्ता रोपण सामग्री, आय सृजन के लिए कृषिवानिकी, लकड़ी/अकाष्ठ वन उपज के लिए मूल्य संवधर्न और कृषि वानिकी में कीट और रोग प्रबंधन पर सत्र आयोजित किए गए। अंत में दशर्कों के सामने पयार्वरण से संबंधित मुद्दों और संस्थान की विभन्न तकनीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक लघु नाटक का मंचन भी किया गया। कायर्क्रम की एंकरिंग विजया रात्रे, भा.व.से. ने की। कायर्क्रम में धूलकोट, ढालवाला, ऋषिकेश, रुड़की, उमेंदपुर, प्रेमनगर आदि से आए किसानों ने भारी संख्या में भाग लेकर कायर्क्रम को सफल बनाया। इन सत्रों में कृषकों ने बढचढकर हिस्सा लिया।

कायर्क्रम के अंत में एक इंटरएक्टिव रखा गया, जिसकी अध्यक्षता निदेशक वन अनुसंधान संस्थान द्वारा की गई। विस्तार प्रभाग की पूरी टीम डा0 चरण सिंह, वैज्ञानिक-सफ, डा0 देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विजय कुमार, सहायक वन संवधर्निक, प्रीतपाल सिंह, वन राजि अधिकारी, पूनम पंत, अनुभाग अधिकारी, रमेश सिंह, सहायक, अनिल कुमार तकनीशिन, खीमानंद, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, चन्द्र मोहन, बहुकायर्कमीर् के अथक परिश्रम करके कायर्क्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

उत्तराखंड सरकार ने 'समर्थ' ई-गवर्नेंस पोर्टल लॉन्च किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड शिक्षा विभाग ने एक ई-गवर्नेंस पोर्टल ₹समर्थ₹ लॉन्च किया। यह पोर्टल पांच राज्य विश्वविद्यालयों और 140 पब्लिक स्कूलों से प्रवेश परीक्षा, वेतन संरचना और नियुक्तियों के बारे में जानकारी सहित सभी प्रशासनिक और शैक्षिक अपडेट प्रदान करता है। राज्य में शिक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए यह पहल की गई है।

पोर्टल के बारे में:

पोर्टल 40 शैक्षणिक अध्ययन मॉड्यूल तक पहुंच भी प्रदान करता है ।विज्ञान विषयों के 200 सहायक प्रोफेसरों को विशेष प्रशिक्षण के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु भेजा जाएगा, जबकि राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को आईआईएम काशीपुर में प्रशिक्षण दिया जाएगा ।सितंबर में इसी सत्र से प्रदेश में नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) भी लागू हो जाएगी।

इसके अलावा, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए, देश भर के कई निजी और सरकारी स्कूलों को जोड़ने वाला एक शिक्षक-साझाकरण प्रारूप भी जल्द ही पेश किया जाएगा।

उत्तराखंड की हाल ही में लॉन्च की गई योजनाएं और ऐप

1 मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना

2 हंस जल धारा योजना

3 एकीकृत आदर्श कृषि ग्राम योजना (एककृत आदर्श कृषि ग्राम योजना)

4 मुख्यमंत्री उद्यमी खिलाड़ी उन्नयन योजना

5 हिम प्रहरी योजना

6 ई-एफआईआर सेवा7 1064 भ्रष्टाचार विरोधी आवेदन8 मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना9 सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तथ्य:

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री: पुष्कर सिंह धामी;

उत्तराखंड की राजधानियाँः देहरादून (शीतकालीन), गैरसैंण (ग्रीष्मकालीन);उत्तराखंड राज्यपालः लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक:
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष: 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा